



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 102]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 29, 1974/वैशाख 9, 1896

No. 102]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 29, 1974/VAISAKHA 9, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDERS

New Delhi, the 29th April 1974

S.O. 272(E)/IDRA/18G/74.—In exercise of the powers conferred by section 18G of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), read with section 21 of the General Clauses Act, 1897 (10 of 1897), the Central Government hereby rescinds with immediate effect, the Tyres and Tubes (Price Control) Order, 1973 except as respects things done or omitted to be done under the Order before such rescission.

[No. 16-70/(A)/71-LI(II)/LRG.]

औद्योगिक विकास मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 29 अप्रैल, 1974

का०आ० 272 (अ)/आई०डी०आर०ए०/18जी०/74.—केन्द्रीय सरकार साधारण खण्ड अधिनियम 1897 (1897 का 10) की धारा 21 के साथ पठित उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18छ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ऐसे विखण्डन से पूर्व इस आदेश के अधीन की गई या किए जाने से छोड़ी गई बातों की बाबत के शिवाय, टायर और ट्यूब (कीमत नियंत्रण) आदेश, 1973 को तुरन्त विखण्डित करती है।

[सं० 16-70/(ए)/71-मूल आदेश (II)/एल आर जी]

S.O. 273(E).—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do for securing the equitable distribution of certain categories of tyres and tubes;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order, namely:—

1. Short title, extent and commencement.—(1) This Order may be called the Tyres and Tubes (Movement Control) Order, 1974.

(2) It extends to the whole of India.

(3) It shall come into force at once.

2. Definitions.—In this Order, unless the context otherwise requires—

(a) “manufacturer” means a person engaged in the manufacture of any of the tyres and tubes to which this Order relates;

(b) “State Government” means the Government of any State, and includes the Administrator of a Union Territory;

(c) “tyres and tubes” means any of the following categories of tyres and tubes namely:—

(i) truck tyres and tubes;

(ii) rear tractor tyres and tubes;

(iii) off the road tyres and tubes.

3. Restrictions on movement of tyres and tubes.—No person, other than a manufacturer, shall move, attempt to move or abet the movement of any of the tyres and tubes from any place in a State to any place outside it except under and in accordance with a permit issued by the State Government or by any officer authorised by the State Government in this behalf:

Provided that nothing contained in this clause shall apply to the movement of any tyre or tube on Central Government account.

4. Powers of entry, search, seizure, etc.—(1) Any police officer, not below the rank of an Assistant Sub-Inspector or any other officer authorised in this behalf by the State Government may, with a view to securing compliance with this Order or to satisfying himself that this Order has been complied with—

(a) stop and search any person or any boat, motor or other vehicle used or intended to be used for the movement of tyres or tubes;

(b) enter and search any place;

(c) seize—

(i) any tyres or tubes in respect of which he has reason to believe that a contravention of any of the provisions of this Order has been, is being, or is about to be committed;

(ii) any packages or coverings in which any tyre or tubes is found; and

(iii) the animals, vehicles, vessels or other conveyances used in carrying any tyre or tube, if he has reason to believe that such animals, vehicles, vessels or other conveyances are liable to be forfeited under the provisions of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), and thereafter take or authorise the taking of all measures necessary for securing the production of packages, coverings, animals, vehicles or vessels or other conveyances so seized in a court and for their safe custody pending such production;

(d) examine or seize any books of accounts or documents which in his opinion would be useful for, or relevant to, any proceedings in respect of any contravention of this Order and return such books of accounts and documents to the person from whom they were seized after copies thereof and extracts therefrom as certified from that person have been taken.

2. The provisions of section 100 of the Code of Criminal Procedure, 1974 (2 of 1974), relating to search shall, so far as may be, apply to searches and seizures under this clause.

5. Effect of Order.—The provisions of this Order shall have effect notwithstanding anything inconsistent therewith contained in any other law for the time being in force.

[No. 16-70/(B)/71-LI(II)/LRG].

N. N. TANDON, Jt. Secy.

का० प्रा० 273 (प्र).—यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि टायरों और ट्यूबों के कतिपय प्रवर्गों का समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित आदेश देती है, अर्थात्:—

1. **संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारम्भ.**—(1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम टायर और ट्यूब (संचालन नियंत्रण) आदेश, 1974 है।

(2) इसका विस्तार सम्पूर्ण भारत पर है।

(3) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

2. **परिभाषाएँ.**—इस आदेश में, जब तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “विनिर्माता” से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो उन टायरों और ट्यूबों में से किसी के विनिर्माण में लगा हुआ है जिन्हें यह आदेश लागू होता है;

(ख) “राज्य सरकार” से किसी राज्य की सरकार अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत किसी संघ राज्य क्षेत्र का प्रशासक भी आता है;

(ग) “टायर और ट्यूब” से टायर और ट्यूबों के निम्नलिखित प्रवर्गों में से कोई प्रवर्ग अभिप्रेत है, अर्थात्:—

(i) ट्रक टायर और ट्यूब;

(ii) ट्रैक्टर के अगले टायर और ट्यूब;

(iii) अनपयुक्त टायर और ट्यूब;

3. **टायर और ट्यूबों के संचालन पर निर्बंधन.**—विनिर्माता से भिन्न कोई व्यक्ति, किसी प्रकार के टायर और ट्यूब का एक राज्य में किसी स्थान से उसके बाहर किसी दूसरे स्थान को, राज्य सरकार द्वारा या राज्य सरकार द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा, कोई अनुज्ञा-पत्र के अधीन और अनुसार के सिवाय संचालन करने, संचालन करने का प्रयत्न करने या संचालन के लिए दुष्प्रेरण नहीं करेगा परन्तु इस खण्ड में अन्तर्निहित कोई बात ऐसे टायर या ट्यूब के संचालन को लागू नहीं होगी जो केन्द्रीय सरकार द्वारा किए जाएंगे।

4. **प्रवेश, तलाशी, अभिग्रहण आदि की शक्तियाँ.**—(1) कोई पुलिस अधिकारी जो सहायक उप-निरीक्षक की पंक्ति से नीचे का न हो या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी इस आदेश का पालन सुनिश्चित कराने की दृष्टि से या अपना यह समाधान करने के लिए कि इस आदेश का अनुपालन हो गया है

(क) टायरों या ट्यूबों के संचालन के लिए प्रयुक्त या प्रयोग के लिए आशयित, किसी व्यक्ति या किसी नाव, मोटर या अन्य यान को रोक सकेगा और उसकी तलाशी ले सकेगा;

(ख) किसी स्थान में प्रवेश कर सकेगा और तलाशी ले सकेगा;

(ग) (i) ऐसे टायरों या ट्यूबों का जिनके बारे में उसके पास यह विश्वास करने का कारण हो कि उन आदेश के उपबन्धों में से किसी उपबन्ध का उल्लंघन किया गया है, किया जा रहा है, या किया जाने वाला है, अभिग्रहण कर सकेगा;

(ii) ऐसे पैकेजों या आवरणों का अभिग्रहण कर सकेगा जिनमें कोई टायर या ट्यूब पाए जाते हैं; और

(iii) यदि उसके पास यह विश्वास करने का कारण हो कि आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) के उपबन्धों के अधीन ऐसे पशु, यान, जलयान या अन्य वाहनों का समग्रपहरण किया जाना चाहिए, तो वह किसी टायर या ट्यूब के बहन करने में प्रयुक्त पशुओं, यानों, जलयानों, या अन्य वाहनों का अभिग्रहण कर सकेगा और तत्पश्चात् इस प्रकार अभिगृहीत, पैकेजों, आवरणों, पशुओं, यानों या जलयानों या अन्य वाहनों को न्यायालय में पेश कराने के लिए और ऐसे पेश कराने, लम्बित रहते तक उनकी सुरक्षित अभिरक्षा के लिए आवश्यक सभी उपाय करेगा या करने के लिए प्राधिकृत करेगा;

(घ) किन्हीं लेखा पुस्तकों या अन्य दस्तावेजों का, जो उसकी राय में इस आदेश के किसी उल्लंघन की बाबत किन्हीं कार्यवाहियों के लिए उपयोगी या सुसंगत हों, परीक्षण या अभिग्रहण कर सकेगा और ऐसी लेखा पुस्तकों और दस्तावेजों को उस व्यक्ति को जिससे उनका अभिग्रहण किया गया था उस से उन लेखा पुस्तकों और दस्तावेजों की प्रतियां और उद्धरण लेने के पश्चात् वापस करेगा।

(2) तलाशी से संबंधित दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 100 के उपबन्ध यथा सम्भव इस खण्ड के अधीन तलाशियों और अभिग्रहणों को लागू होंगे।

5. **आदेश का प्रभाव** .—इस आदेश के उपबन्ध, इस समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि में, उनसे असंगत किसी बात के होते हुए भी, प्रभावी होंगे।

[सं० 16-70/(बी)/71-एलआई(II)/एलआईजी]

एन० एन० टण्डन, संयुक्त सचिव।